

Akin to small-scale cities, institutional campuses can also reflect the society at large. In addition to occupying large areas of land, many campuses also consist of sizeable populations and numerous buildings amply equipped with facilities for their residents. This means that, *just like cities, higher-education institutions have significant environmental impacts both on campus and in the surrounding community.*

In order to ensure that such impact is more helpful than harmful, we, at I.T.S Engineering College have integrated sustainability into our operations and infrastructure in what many refer to as "green campus" initiatives. We have always believed that addressing environmental issues must occupy the first number on our agenda, from boosting rigorous waste-management practices to enforcing stricter energy conservation measures and executing eco-green advocacy campaigns.

While an environmentally conscious campus can improve the quality of education, it also raises the question: how can the assessment process also provide opportunities to enhance learning for everyone -- students, staff and communities alike? As campus-greening efforts continue to gain traction, it is crucial to promote education and learning for sustainable development for the whole community within and beyond the campus grounds.

We are committed to green not only our campus, but also preserving greenery beyond the four walls of our campus. In this regard, we would reserve a special mention about our faculty member – Dr. Kuldeep Malik for his relentless efforts in planting more than thousand samplings and seeds in the different area of Greater Noida.



Kuldeep Malik

Director
ITS Engineering College
Greater Noida



A handwritten signature in blue ink, appearing to read 'N. Rayan'.

Director
ITS Engineering College
Greater Noida



Director
ITS Engineering College
Greater Noida

पौधारोपण से मिशन मानसून की शुरुआत

जास, ग्रेटर नोएडा : वेदार्णा फाउंडेशन ने नॉलेज पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इसका नाम मिशन मानसून पौधारोपण रखा गया। पहले दिन बरगद, नीम व पीपल के करीब 25 पौधे लगाए गए। इसमें सीमित संख्या में शिक्षक व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। यह अभियान पूरे सीजन चलेगा। वेदार्णा फाउंडेशन के निदेशक डॉ. कुलदीप मलिक ने बताया कि पिछले पांच वर्ष से यह कार्यक्रम मानसून के हर मौसम में किया जाता है। क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिवस से इसकी शुरुआत की जाती है। इस बार कोरोना संकट के चलते पहले की

तरह योजना पौधारोपण यथा नहीं है। ऐसे में पूरे मानसून के जीवन में समय और हालाती को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण किया जाएगा। इस दौरान नए पौधे तो लगाए ही जाएंगे। साथ ही पूर्व में रोपे गए पौधे, जो किसी कारणवश नष्ट हो गए, उनके स्थान पर भी नए पौधे लगाए जाएंगे। फाउंडेशन पिछले कई वर्ष से विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान चलाते आया है। इनमें जनसंख्या, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा आदि से जुड़े जागरूकता अभियान शामिल हैं। इस दौरान ओम रायजादा, मनोज कुमार, राहुल नंबरदार, डॉ. विकास चौधरी, राजीव कुमार, दीपक, सूरज ने हिस्सा लिया।



पौधारोपण करते वेदार्णा फाउंडेशन के सदस्य • सौ. फाउंडेशन

ग्रेटर नोएडा के कुलदीप

डॉ. कुलदीप अब तक लगा चुके हैं 2000 पौधे

Shyam.Vir
@itsmesgroup.com

ग्रेटर नोएडा : कठिने है भविष्य यह सब नहीं सोच सकता लेकिन डेन डेन के बीच-2 से पहले पहले डॉ. कुलदीप मलिक ने इस काम को मजबूत महसूस कर लिया है। उन्होंने बताया कि वे अपने कुलदीप मिशन से और आज उनके साथ हजारों पौधे लग चुके हैं। इनके अलावा वह दिन-आदि-आदि में उनके किछे-भंगल-कैरे के फंडे देने मिशन चले हैं। डॉ. कुलदीप मलिक ने बताया कि उनके कुलदीप मिशन से पहले चले हैं। इसके



डॉ. कुलदीप मलिक

पर्यावरण बचाने के लिए



Shyam Vir
Director
ITS Engineering College
Greater Noida